Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Remington Gail 5th October 2019 Shift 2
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2019-10-05 18:32:03
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	No
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	88017913
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	88017913
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	88017913
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 88017913 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

एक बार की बात है, अकबर और बीरबल शिकार पर जा रहे थे। अभी कुछ समय हुआ था कि उन्हें एक हिरण दिखा। जल्दबाजी में तीर निकलते हुए अकबर अपने हाथ पर घाव लगा बैठा। अब हालात कुछ ऐसे थे कि अकबर बहुत दर्द में था और गुस्से में भी।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	88017914
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	88017914
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	88017914
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 88017914 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

मानसिक बेचैनी मानव जीवन में एक और समस्या है। अधिकांश लोग बेचैन, निराशावादी, चिंतित, निराश, भयभीत, कायरतापूर्ण या असंतुष्ट रहते हैं। बहुत कम ऐसे हैं जो शांत या संतुलित हैं। कुछ हद तक इसके लिए दूसरों का व्यवहार भी जिम्मेदार है, लेकिन मनुष्य को यह स्वीकार करना चाहिए कि उसकी स्वयं की विचार प्रक्रिया की कमजोरी ही प्राथमिक कारक है। वह हमेशा अपनी तात्कालिक इच्छाओं को पूरा करना चाहता है, हर चीज में अपना नियम लागू करता है, और परिस्थितियों को अपनी इच्छा के अनुसार बदलना चाहता है। लेकिन, दुनिया केवल हमारे लिए ही नहीं बनी है। परिस्थितियां और लोग अपनी गति से विकास कर रहे होते हैं। मनुष्य को समष्टि की लय में लय मिलाकर समन्वय की स्थिति बनानी ही चाहिए। अधिकतर लोगों के मामले में परिस्थितियों से असंतुष्ट होना विचार प्रक्रिया में विसंगतियों को इंगित करता है। यदि व्यक्ति अमीर लोगों से अपनी तुलना करता है, तो अपने आपको निर्धन अनुभव करेगा, और असंतुष्ट बना रहेगा। लेकिन अगर वह खुद की तुलना निर्धनों से करता है, तो उसे लगेगा कि उसकी स्थिति सैकडों लोगों से बेहतर है। समृद्धि और निर्धनता सापेक्ष हैं। सही दृष्टिकोण अपनाने पर व्यक्ति इन लेबलों से उत्पन्न होने वाले असंतोष से बच सकता है और अपने विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। दूसरों के साथ संबंधों पर यही सिद्धांत लागू होता है। हर किसी में अच्छाई और बुराई होती हैं। यह देखने वाले के दृष्टिकोण पर निर्भर करता है कि वह क्या देखता है। अगर वह बुराई को खोजेगा तो उसे सूरज में भी कलंक मिल जाएंगे। यदि वह अच्छाई की खोज करेगा तो उसे कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं मिलेगा जिसमें कोई अच्छाई न हो। यदि हम ऐसे लोगों की सूची बनाने लगें जिन्होंने हमारे साथ द्वेषपूर्ण व्यवहार किया तो दुश्मनों की कई सूची तैयार हो जाएंगी, लेकिन इसी तरह यदि हम मित्रतापूर्ण व्यवहार करने वालों की सूची बनाने लगे तो मित्रों की अंतहीन सूचियां बनती चली जाएंगी । प्रचुरता और अभाव दोनों का अपना महत्व है। सर्वविदित है कि प्रचुर संसाधन किसी की प्रगति को आसान बनाते हैं, लेकिन संसाधनों के बिना संघर्ष के मूल्य को कम करके नहीं आंका जाना चाहिए। कष्ट की अग्नि से गुजरकर व्यक्ति मजबूत बनता है। सोना और हीरा ऐसे परीक्षणों से गुजरते हैं, और शोधन की कष्ट कर प्रतीत होने वाली इस प्रक्रिया से गुजरे बिना कोई मूल्य नहीं होता। ऐसे समय में सतर्कता विकसित होती है, और कई महत्वपूर्ण अनुभव भी जमा होते हैं। मनुष्य जागरूक हो जाता है और अपने बहुमूल्य अनुभवों को संजो कर रखता है। कुछ ऐसी परिस्थितियों में टुट जाते हैं, लेकिन जो ऐसी परिस्थितियों को सहन कर सकते हैं उनमें कई गुना विकास होता है। समृद्धि और निर्धनता दोनों प्रगति के मार्ग पर बहुत सहायता कर सकती हैं। नमक और चीनी विपरीत हैं, लेकिन एक साथ संतुलित स्वाद बनाती हैं। धागे उलझ सकते हैं लेकिन व्यवस्थित होने पर वे बुना हुआ वस्त्र बनाते हैं। दिन और रात समय के विपरीत पक्ष हैं। यह विश्व परस्पर विरोधी का समामेलन है और मनुष्य को हर एक की उपयोगिता को समझना चाहिए।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes